

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग विभाग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 31 अगस्त, 2017

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजनान्तर्गत धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या-557/लेखा/बजट/राजस्व पक्ष/भूखनि०ई०/2016-17, दिनांक 11 जुलाई, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान सं० 23 के अन्तर्गत राजस्व पक्ष की पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजनान्तर्गत ₹ 9466 हजार (₹ चौरानबे लाख छियासठ हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रदिष्ट किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना/मद का नाम	कुल प्राविधानित बजट	पूर्व में स्वीकृत धनराशि	अवशेष धनराशि की स्वीकृति
1.	2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग-02-खानों का विनियमन तथा विकास-102-खनिज खोज-03-पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजना-00			
	02-मजदूरी	300	100	200
	04-यात्रा व्यय	200	67	133
	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	500	167	333
	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	10000	3333	6667
	19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	200	67	133
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	3000	1000	2000
	योग	14200	4734	9466

- (1) प्रश्नगत धनराशि इस शर्त के साथ अवमुक्त की जा रही है कि आहरण वितरण अधिकारी द्वारा नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही धनराशि का आहरण किशतों में किया जायेगा।
- (2) धनराशि का व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फॉट कर उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

- (4) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार मासिक रूप से आहरण किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- (5) धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिकाओं के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-23 के अन्तर्गत राजस्व पक्ष के लेखाशीर्षक-2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग-02-खानों का विनियमन तथा विकास-102-खनिज खोज-03-पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजना की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक 30 जून, 2017 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव

संख्या- 1198 (1)/VII-1/2017 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा), वैभव पैलेस, इन्दिरानगर, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार सुमन)
अपर सचिव